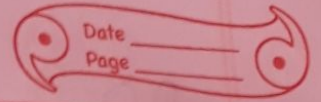


Cw
12/8/23

Ch-6



शब्दार्थ :-

1) नैया - नाव

2) रगीं - नसीं

3) उखरता - अड़चन पैदा करना

4) सिंधु - सागर

5) गीताखीर - पानी में डुबकी लगाकर चीजें छुंढने वाला

6) सहज - आसान

7) उत्साह - जीश

8) संघर्ष - लड़ाई

1) मौखिक :-

क) कवि के अनुसार किज लीगी की दार नहीं होती ?

Ans -> कवि के अनुसार जी ब्यक्ती कभी भी हिम्मत नहीं दारता है और कठिनाईओं का डटकर सामना करता उसकी कभी दार नहीं होती ।

ख) चींटी कयीं बार-बार फिसलती है ?

Ans -> चींटी अपनी बजन से भारी बोझ ढाने के रूप में बी रही होती है । इस लिए वह बार-बार फिसलती है ।

ग) कवि किसके विषय में मुट्ठी न खाली होने की बात कह रहा है ?

Ans -> कवि गीताखोर के विषय में मुट्ठी न खाली होने की बात कह रहा है ।

घ) गीताखोर की सहजता से कयीं नहीं मिलता ?

Ans) गीताखीर की सहजता से पानी में मीठी नहीं मिलता।

2) लिखत :-

क) नैया पार लगाने के लिए क्या करना चाहिए ?

Ans) कवि कहते हैं की नैया पार लगाने के लिए लहरों से सभी घबराना और डरना नहीं चाहिए। तभी हमारी नैया पार लग सकता है।

ख) असफलता की हमें किस तरह लेना चाहिए और उस पर क्या विचार करना चाहिए ?

Ans) असफलता की हमें एक - चुनौती के समान लेना चाहिए की एसी कौन सी कमी रह गई जिसके कारण हम असफल हुए। जब तक हमें सफलता प्राप्त नहीं जाए जींद - चैन सब त्याग देना चाहिए कभी भी मैदान छोड़कर नहीं भागना चाहिए बल्की लगातार संघर्ष करते रहना चाहिए।

ग) गीताखोश का उत्साह कब दूना बढ़ता है ?

Ans) जब बार-बार सागर में डूबकीयाँ लगाते पर भी गीताखोश में माती जहीं मिलते तो उसका जोस इसी देशनी में बढ़ता रहता है ।

घ) दी गई कविता की धक्तियों की पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दी ?

i) जहीं चींटी किस कोशिश में लगी रहती है ?

Ans) जहीं चींटी दाना लेकर द्विचारे पर चढ़ने की कोशिश करती रहती है ।

ii) क्या चीज की शंगी में साहस भरती है ?

Ans) चींटी के मज का विश्वास उसकी शंगी में साहस भरती है ।

iii) चींटी की मेहनत क्यों व्यर्थ नहीं होती ?

Ans) चींटी की मेहनत व्यर्थ नहीं होती वह बार-बार द्विवार पर चुड़ैल की कोशिश करती है और अंत में सफल हो जाती है।

iv) 'विश्वास' शब्द का पर्यायवाची लिखी ?

Ans) भरोसा

4) सही विकल्प लिखी :-

1) कवि के अनुसार मैया कैसे पार नहीं होती ?

Ans) लहरों से डरकर

2) कोशिश करने वाली को क्या नहीं होता ?

Ans) डार

3) कविता में प्रयोग हुए 'सिंधु' शब्द का क्या अर्थ है ?

Ans) सागर

घ) मीमांसीय की सहजता से क्या नहीं मिलता है ?

Ans) मीमी

२) विलीन शब्द :-

i) आगमन - गमन

ii) आकाश - पाताल

iii) थीय - अथीय

iv) मान - अपमान

v) इमानदार - बेइमान

vi) प्राचीन - नवीन

vii) पठित - अपठित

viii) धनी - गरीब

ix) नवीन - प्राचीन

x) लाभ - हानि

3) दी-दी शब्द :-

i) अनु - अनुसार , अनुकूल

ii) दर - दरबार , दरअसल

iii) बी - बीतन , बीघर

iv) ना - नानी , नाना

v) प्र - प्रयोग , प्रकाश

vi) हम - हमलोग , हमसकल

4) समान तुकवली शब्द :-

i) चलती - फिसलती

ii) त्यागी - भागी

iii) भरता - अखरता

iv) बेकार - दार

v) पानी - दैशनी

vi) स्वीकार - विचार